भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4192
दिनांक 22 **मार्च**, 2021

बीपीसीएल के प्रचालन में सुधार

4192. **डॉ. ए. चेल्लाकुमार**:
श्री विनसेंट एच.पाला:
श्री बैन्नी बेहनन:
श्री के. मुरलीधरन:
श्री के. सुधाकरन:
श्री एम. सेल्वराज:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत 10 वर्षों के दौरान भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का वार्षिक लाभांश कितना है;
(ख) अगले 10 वर्षों के लिए बीपीसीएल का अनुमानित वार्षिक लाभांश और अन्य प्राप्तियां कितनी हैं;
(ग) सरकार, कर्मचारी संघों और अन्य हितधारकों द्वारा बीपीसीएल का वर्तमान मूल्यांकन कितना है;
(घ) क्या सरकार बीपीसीएल की मूल्यांकन प्रक्रिया में उचित मूल्य की खोज सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) क्या बीपीसीएल को अनुमानित लाभांश से मिलने वाली धनराशि की तुलना में विनिवेश से अधिक धनराशि मिलेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या सरकार ने बीपीसीएल के स्वामित्व को बनाए रखते हुए इसकी प्रतिस्पर्धात्मक और दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से बीपीसीएल के प्रबंधन और प्रचालन में सुधार करने की कोई योजना विकसित की है अथवा किसी योजना पर विचार किया है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके औचित्य के क्या कारण हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(**श्री धर्मेन्द्र प्रधान**)

(क) और (ख) पिछले 10 वर्षों में बीपीसीएल से प्राप्त वार्षिक लाभांश अनुलग्नक में दिया गया है। कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार एक सूचीबद्ध कम्पनी होने के कारण लाभांश भुगतान का निर्णय कम्पनी का बोर्ड में लेता है, अतः एक प्रमोटर के रूप में सरकार द्वारा कोई भी अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। अन्य प्राप्तियाँ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में होती हैं जो कम्पनी के स्वामित्व पर निर्भर नहीं करती हैं।

(ग) और (घ) मौजूदा प्रक्रिया के अनुसार, सरकार द्वारा नियुक्त सलाहकारों द्वारा किये गये मूल्यांकन पर केवल रिज़र्व मूल्य निर्धारण के लिए विचार किया जाता है। निष्पक्ष प्रतियोगी बोली सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन में पूर्ण गोपनीयता बरती जाती है और इस संबंध में सलाहकार गोपनीयता वचनबद्धता से बंधे होते हैं। रिजर्व मूल्य नियत करने के लिए मूल्यांकन केवल बेंचमार्क प्रदान करता है जबकि मूल्य का निर्धारण प्रतियोगी बोली का परिणाम होता है। वित्तीय बोली की प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता, प्रतियोगिता को प्रोत्साहन और उच्च स्तर की सत्यनिष्ठा और ईमानदारी सुनिश्चित करने के सिद्धांत पर आधारित होती है। वित्तीय बोलियाँ प्राप्त हो जाने के बाद ही निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से रिजर्व मूल्य तय किया जाता है।

(ङ) बीपीसीएल से विनिवेश प्राप्तियों की मात्रा संव्यवहार के सफलतापूर्वक पूरे हो जाने पर ही जानी जा सकेगी।

(च) सरकार की अपेक्षा है कि बीपीसीएल की व्यवसायिक क्षमता के इष्टतम विकास के लिए कार्यनीतिक खरीदार निधि/प्रौद्योगिकी/नया प्रबंधन इत्यादि लायेगा। विनिवेश के बाद बीपीसीएल का विकास उसे उच्चतर आर्थिक गतिविधियां सृजित करने के लिए सक्षम बनाएगा जिससे अनुषंगी उद्योग का विकास होगा और नए रोजगार अवसर सृजित होंगे। बीपीसीएल के कार्यनीतिक विनिवेश द्वारा प्राप्त संसाधनों का उपयोग जनसामान्य के लाभ के लिए सामाजिक क्षेत्र के वित्तपोषण/सरकार के विकास कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा।

****

अनुलग्नक

'बीपीसीएल के प्रचालन में सुधार' के संबंध में डॉ. ए. चेल्लाकुमार और अन्य द्वारा दिनाँक 22.03.2021 **को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.** 4192 **के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

पिछले दस वर्षों के दौरान बीपीसीएल से प्राप्त वार्षिक लाभांश (उपार्जन आधार पर)

वर्ष	वार्षिक लाभांश (करोड़ रुपए में)
2019-20	3579.27
2018-19	4121.58
2017-18	4555.43
2016-17	4700.05
2015-16	2241.56
2014-15	1626.94
2013-14	1229.24
2012-13	795.39
2011-12	397.70
2010-11	506.16